An ISO 9001:2015 certified
शशि रंजन, भा.प्र.से.
राज्य परियोजना निदेशक

झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्
जे.एस.सी.ए. स्टेडियम रोड, सेक्टर-3,
धुर्वा, राँची – 834 004
दूरभाष – 0651-2444501, 2444502, फैक्स – 2444506
ई-मेल: jepcranchi1@gmail.com

पत्रांक : QU/40/96/2025/ 3/72 **दिनांक :** 12 **/ 08 / 2026**

सेवा में,

सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
सभी जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा अभियान, झारखण्ड ।

विषय : राज्य के सभी प्राथमिक विद्यालयों में बालवाटिका से कक्षा 05 के बच्चों में पठन–पाठन को प्रोत्साहित करने एवं पठन कौशल के विकास हेतु 'पठन अभियान : मेरे शब्द, मेरी कहानी' कार्यक्रम आयोजित करने के संबंध में।

महाशय / महाशया,

उपरोक्त विषयक अंकित करना है कि पढ़ना बच्चों की शैक्षणिक यात्रा और जीवन के अवसरों को प्रभावित करने वाला एक मूलभूत कौशल है। बच्चों का पठन कौशल उनके व्यक्तिगत और अकादमिक सफलताओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। NEP 2020 प्रारंभिक कक्षाओं में रचनात्मक एवं सीखने के रोचक तरीकों से बच्चों की साक्षरता कौशलों के विकास पर जोर देती हैं ताकि ऐसे परिवेश का निर्माण किया जा सके जहाँ पढ़ना सीखने का अभिन्न अंग बन सके।

उक्त संदर्भ को संज्ञान में रखते हुए राज्य द्वारा निपुण भारत मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राज्य द्वारा सभी प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों में पठन को प्रोत्साहित करने एवं पठन कौशल के विकास हेतु JEPC द्वारा स्वयं सेवी संस्थाओं के सहयोग से **'पठन अभियान : मेरे शब्द, मेरी कहानी'** कार्यक्रम का आयोजन **दिनांक 15 अगस्त से 18 सितम्बर, 2026** तक किया जा रहा है। उक्त अभियान राज्य, जिला एवं विद्यालय स्तर पर आयोजित की जायेगी। सभी स्तरो पर की जाने वाली मुख्य गतिविधियाँ निम्नवत है –

क्र.सं.	गतिविधि	तिथि
1	State-level Launch of Reading Campaign : My Word My Story	15th August, 2026
2	Pledge Reading Time	17th August, 2026
3	Reading Buddy	17th August- 7th September, 2026
4	District-level Launch	18th –20th August, 2026
5	Read Aloud	19th August, 2026
6	Shared Reading	21st August, 2026
7	100-Word Story Creation	24th August, 2026
8	Our Story in Our Words	27th August, 2026
9	World of Stories	31st August, 2026
10	QR Code Story Walls	2nd September, 2026
11	Student Podcast	5th September, 2026
12	Read-a-Thon	8th September, 2026
13	State-level Culmination Event	18th September, 2026

नोटः "Reading Buddy" गतिविधि वैकल्पिक है तथा इच्छुक जिले जो इस गतिविधि का आयोजन करना चाहते हैं, वे आवश्यक तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए SPMU टीम से संपर्क कर सकते हैं।

क्र.सं.–12 में दिये गये गतिविधि Read-a-Thon जो कि अभियान की एक प्रमुख राज्यव्यापी गतिविधि है। इस गतिविधि का आयोजन दिनांक 08 सितम्बर, 2026 को पूर्वा0 11:00 से 11:30 बजे तक किया जाना है। इस गतिविधि के अन्तर्गत निर्धारित समय पर राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में 30 मिनट का सामूहिक एवं निर्वाध पठन सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें बच्चे, शिक्षक, अभिभावक, समुदाय के सदस्य एवं शिक्षा विभाग के पदाधिकारी "Drop Everything and Read" की भावना के साथ अपनी पसंद की पुस्तक का पठन करेंगे। सभी जिला यह सुनिश्चित करेंगे कि विद्यालय स्तर पर यह गतिविधि निर्धारित तिथि एवं नियत समय पर आयोजित हो तथा गतिविधि की टाइम–स्टैम्प (दिनांक एवं समय) युक्त फोटोग्राफ एवं सहभागिता विवरण निर्धारित प्रारूप के अनुसार राज्य कार्यालय को साझा किया जाए। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष आयोजित Read-a-Thon में आप सभी के सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता से राज्य में बड़ी संख्या में बच्चों, शिक्षकों एवं समुदाय के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया था। सामूहिक सहभागिता के इस प्रयास के परिणामस्वरूप **राज्य का नाम** **Asia Book of**

An ISO 9001:2015 certified
शशि रंजन, भा.प्र.से.
राज्य परियोजना निदेशक

झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्
जे.एस.सी.ए. स्टेडियम रोड, सेक्टर–3,
धुर्वा, राँची – 834 004
दूरभाष – 0651-2444501, 2444502, फैक्स – 2444506
ई–मेल: jepcranchi1@gmail.com

Records एवं India Book of Records में दर्ज किया जा सका है। इस वर्ष भी सभी जिलों से अपेक्षा है कि पूर्व की उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए अधिक से अधिक बच्चों एवं समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित कर Read-a-Thon को एक राज्यव्यापी पठन उत्सव के रूप में सफल बनाएंगे।

अभियान की विस्तृत जानकारी हेतु SoP एवं PPT इस पत्र के साथ संलग्न है। साथ ही, अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं गतिविधियों के सफल संचालन के उद्देश्य से राज्य स्तरीय वेबिनार आयोजित किया जाना प्रस्तावित है, जिसकी तिथि, लिंक एवं अन्य आवश्यक जानकारी पृथक रूप से आपको साझा की जाएगी। अभियान के अंतर्गत आयोजित सभी गतिविधियों का विवरण एवं अपेक्षित प्रतिवेदन राज्य स्तर से उपलब्ध कराये गये Google Form में गतिविधियों का विवरण साझा करना सुनिश्चित करेंगे। गत वर्ष भी अभियान के सफल क्रियान्वयन में विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा जिला स्तर पर आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया था। इस वर्ष भी जिले अपने स्तर पर कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर अभियान की विभिन्न गतिविधियों के आयोजन एवं आवश्यक सहयोग प्राप्त कर सकते हैं।

अतः सभी जिलों को निदेशित किया जाता है कि अपने–अपने जिले के समस्त प्राथमिक विद्यालयों में निर्धारित तिथियों के अनुसार उपर्युक्त गतिविधियों का सफल आयोजन सुनिश्चित करेंगे। साथ ही, अभियान की विस्तृत जानकारी से सभी संबंधित पदाधिकारियों, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों एवं विद्यालयों को समयपूर्व अवगत कराते हुए संलग्न SOP के अनुरूप अभियान का क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। जिला तदनुसार सभी विद्यालयों को अनिवार्य रूप से सूचित करते हुये अग्रेतर कार्रवाई करेंगे। अभियान से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं सहयोग हेतु श्रीमती अपूर्वा मिश्रा (मो.न.–9772318889) से संपर्क किया जा सकता है।

अनुलग्नक : यथोक्त।

विश्वासभाजन,

12/08/26

(शशि रंजन)
राज्य परियोजना निदेशक

ज्ञापांक : QU/40/96/2025/ 3172 **राँची, दिनांक** 12 **/ 08 / 2026**

प्रतिलिपि :

1. श्रीमती अपूर्वा मिश्रा, SPMU Lead को सूचनार्थ एवं निदेश दिया जाता है कि अभियान के संचालन में सभी आवश्यक सहयोग उपलब्ध करायेंगे।
2. राज्य समन्वयक, UNICEF, Room to Read, Dream A Dream, Ugam Education Foundation, Pratigya, Piramal Foundation, Pratham, Bharti Airtel Foundation, CInI - Tata Trust, Leap Forword, Quest Alliance, Sampark Foundation, Education Initiative (EI), ChangeInKK Foundation, Azim Premji Foundation, Language and Learning Foundation को सूचनार्थ एवं अनुरोध है कि जिला स्तर पर कार्यरत अपने प्रतिनिधियों को सभी गतिविधियों को आयोजित करने तथा आवश्यक सहयोग हेतु निदेशित करेंगे।

12/08/26

(शशि रंजन)
राज्य परियोजना निदेशक

पठन अभियान (READING CAMPAIGN) 2026 - "मेरे शब्द, मेरी कहानी"

(15 अगस्त से 18 सितंबर 2026)

मानक संचालन प्रक्रिया (SoP)

1. पृष्ठभूमि

पढ़ना केवल एक शैक्षणिक कौशल नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे के सीखने और समग्र विकास की आधारशिला है। प्रारम्भिक वर्षों में विकसित होने वाली पढ़ने के प्रति रुचि, बच्चों को विषयों को बेहतर ढंग से समझने, तार्किक रूप से सोचने, प्रभावी ढंग से संवाद करने तथा विद्यालय एवं समाज में आत्मविश्वास के साथ सहभागिता करने में सक्षम बनाती हैं। पढ़ना बच्चों की कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता, जिज्ञासा और संवेदनशीलता को भी समृद्ध करता है तथा उन्हें आजीवन सीखने के लिए प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 में **आधारभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (FLN)** को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में चिन्हित किया गया है। नीति में ऐसे आनंदमय एवं बाल-केंद्रित शिक्षण वातावरण पर बल दिया गया है, जहाँ बच्चे समझ के साथ पढ़ें, स्वतंत्र रूप से सोचें और आत्मविश्वास के साथ अपने विचार व्यक्त कर सकें। साथ ही, बच्चों को उनकी आयु के अनुरूप साहित्य, संवाद एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के अवसर उपलब्ध कराने तथा स्थानीय भाषा, संस्कृति और परिवेश से जुड़े शिक्षण अनुभवों को बढ़ावा देने पर भी विशेष ज़ोर दिया गया है।

इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए झारखण्ड राज्य में पिछले कुछ वर्षों के दौरान विद्यालयों में पठन संस्कृति को सुदृढ़ बनाने के लिए पुस्तकालयों एवं पठन कोने की स्थापना, शिक्षकों की क्षमता-वृद्धि, आयु अनुरूप व गुणवत्तापूर्ण बाल साहित्य की उपलब्धता तथा राज्यव्यापी पठन अभियानों जैसी अनेक पहलें की गई हैं। इन्हीं प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए **पठन अभियान 2026** की रूपरेखा तैयार की गई है। इस अभियान का उद्देश्य केवल बच्चों में नियमित पठन की आदत विकसित करना नहीं है, बल्कि उन्हें अपनी कल्पनाओं, अनुभवों और विचारों को कहानी,

लेखन तथा संवाद के माध्यम से आत्मविश्वास के साथ अभिव्यक्त करने के अवसर भी प्रदान करना है।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद (JEPC) तथा गैर सरकारी संस्थाओं (CSOs) के सहयोग से यह राज्यव्यापी **पठन अभियान 15 अगस्त से 18 सितम्बर 2026** तक राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान आयोजित विविध गतिविधियों के माध्यम से विद्यालय, शिक्षक, अभिभावक और समुदाय की साझेदारी को सशक्त करते हुए बच्चों में पठन की स्थायी संस्कृति विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

2. अभियान का विषय (थीम)

"मेरे शब्द, मेरी कहानी"

इस वर्ष के पठन अभियान की थीम **"मेरे शब्द, मेरी कहानी"** इस विश्वास को अभिव्यक्त करती है कि प्रत्येक बच्चा केवल एक पाठक ही नहीं, बल्कि अपनी भाषा, कल्पनाओं, अनुभवों और विचारों का सृजनकर्ता भी है। पढ़ना बच्चों के लिए नए विचारों, अनुभवों, संस्कृतियों और दृष्टिकोणों की दुनिया खोलता है, वहीं कहानी कहना और लिखना उन्हें अपनी पहचान, भावनाओं और सोच को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

झारखंड जैसे बहुभाषी राज्य में, जहाँ अनेक जनजातीय एवं स्थानीय भाषाएँ बच्चों के दैनिक जीवन और सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं, यह थीम विशेष रूप से प्रासंगिक है। अभियान बच्चों को उनकी परिचित भाषा में पढ़ने, कहानियों पर चर्चा करने तथा अपने विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इससे बच्चे पुस्तकों से अधिक सहजता से जुड़ पाएँगे और पठन उनके लिए केवल एक शैक्षणिक गतिविधि नहीं, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास और सीखने का एक अर्थपूर्ण अनुभव बनेगा।

इसी सोच के साथ यह अभियान केवल पुस्तकों के पठन तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य बच्चों के लिए ऐसे अवसर उपलब्ध कराना है, जहाँ वे पढ़ें, सुनें, विचार साझा करें, कहानियाँ लिखें, सुनाएँ और अपनी रचनात्मकता को विभिन्न माध्यमों से व्यक्त करें। अभियान के अंतर्गत आयोजित गतिविधियाँ बच्चों में पठन-समझ, कल्पनाशक्ति, मौखिक एवं लिखित

अभिव्यक्ति, सहयोगात्मक अधिगम तथा आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने के साथ-साथ बाल साहित्य और स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति रुचि भी विकसित करेंगी।

आनंदमय, समावेशी और सहभागितापूर्ण पठन अनुभवों के माध्यम से यह अभियान विद्यालय, परिवार और समुदाय—तीनों स्तरों पर बच्चों के दैनिक जीवन में पढ़ने की संस्कृति को सशक्त बनाने का प्रयास करेगा।

3. उद्देश्य

पठन अभियान 2026 के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- **पठन की आदत को प्रोत्साहित करना–** बच्चों में पढ़ने के प्रति रुचि विकसित करना तथा उन्हें आयु एवं कक्षा के अनुरूप पुस्तकों और बाल साहित्य के नियमित पठन के लिए प्रेरित करना।
- **अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करना–** कहानी लेखन, कहानी वाचन तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सोचने, कल्पना करने और आत्मविश्वास के साथ अपने विचार व्यक्त करने के अवसर उपलब्ध कराना।
- **आधारभूत साक्षरता को सुदृढ़ करना–** रोचक एवं सहभागितापूर्ण पठन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की पठन प्रवाह (Reading Fluency), पठन-समझ, शब्दावली तथा तार्किक सोच को सुदृढ़ करना।
- **स्थानीय भाषा एवं सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देना–** बच्चों को अपनी मातृभाषा एवं स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कहानियों, लोक साहित्य और सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ते हुए अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान और जुड़ाव विकसित करना।
- **समुदाय की सहभागिता को सशक्त बनाना–** विद्यालय, अभिभावकों और समुदाय के बीच सहयोग को बढ़ावा देकर विद्यालय के बाहर भी पठन की निरंतर संस्कृति विकसित करना।

4. अभियान की अवधि

यह राज्यव्यापी **पठन अभियान 15 अगस्त से 18 सितम्बर 2026** तक झारखण्ड के सभी सरकारी विद्यालयों में आयोजित किया जाएगा।

अभियान के दौरान राज्य, जिला, प्रखंड एवं विद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सभी विद्यालयों से अपेक्षा की जाती है कि वे इन गतिविधियों को अपनी नियमित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से जोड़ते हुए संचालित करें, ताकि अभियान समाप्त होने के बाद भी बच्चों में पठन की आदत निरंतर बनी रहे।

5. अभियान क्रियान्वयन एवं गतिविधि कैलेंडर

दिनांक	गतिविधि	उद्देश्य / संक्षिप्त विवरण
15 अगस्त 2026	राज्य स्तरीय अभियान शुभारंभ	अभियान के प्रति जागरूकता एवं व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करना।
17 अगस्त 2026	पठन संकल्प	बच्चों, शिक्षकों एवं विद्यालय समुदाय को नियमित पठन के लिए प्रेरित करना।
17 अगस्त–7 सितम्बर 2026	रीडिंग बडी	सहपाठी आधारित पठन के माध्यम से नियमित पठन एवं सहयोगात्मक अधिगम को बढ़ावा देना।
18–20 अगस्त 2026	जिला स्तरीय शुभारंभ	जिला स्तर पर अभियान का विस्तार एवं स्थानीय सहभागिता सुनिश्चित करना।
19 अगस्त 2026	मुखर वाचन	प्रवाहपूर्ण एवं अभिव्यक्तिपूर्ण पठन कौशल का विकास करना।
21 अगस्त 2026	सहपठन	सहभागिता, संवाद एवं सह-अधिगम को बढ़ावा देना।
24 अगस्त 2026	100 शब्दों की कहानी रचना	बच्चों की रचनात्मक लेखन क्षमता एवं अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना।
27 अगस्त 2026	हमारी कहानी, हमारे शब्दों में	बच्चों को अपनी कहानियाँ साझा करने एवं आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करना।

31 अगस्त 2026	कहानी की दुनिया	विविध कहानियों के माध्यम से पठन में रुचि एवं कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।
2 सितम्बर 2026	QR कोड आधारित स्टोरी वॉल	डिजिटल कहानियों एवं विविध पठन संसाधनों तक बच्चों की पहुँच बढ़ाना।
5 सितम्बर 2026	विद्यार्थी पॉडकास्ट – "मेरे शब्द, मेरी कहानी"	बच्चों को अपनी आवाज़, अनुभव एवं कहानियाँ साझा करने का मंच प्रदान करना।
8 सितम्बर 2026	रीड-ए-थॉन	'Drop Everything and Read' की भावना के साथ विद्यालयों एवं समुदायों में सामूहिक पठन के माध्यम से पढ़ने के उत्सव एवं पठन संस्कृति को बढ़ावा देना।
18 सितम्बर 2026	राज्य स्तरीय समापन समारोह	अभियान की उपलब्धियों एवं सकारात्मक अनुभवों को साझा करना तथा उत्कृष्ट प्रयासों को पहचान देना।

6. अपेक्षित परिणाम

अभियान के समापन तक निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होने की अपेक्षा है—

- बच्चों में पढ़ने के प्रति रुचि, आनंद और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
- विद्यालयों में नियमित एवं सतत पठन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जो अभियान के बाद भी जारी रहेंगी।
- कहानी सुनाने, रचनात्मक लेखन तथा अन्य अभिव्यक्ति आधारित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ावा मिलेगा।
- अभिभावक एवं समुदाय को पठन संस्कृति विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु प्रेरित करेंगे।
- शिक्षक **मुखर वाचन**, **सहपठन** तथा **रीडिंग बडी** जैसी सहभागितापूर्ण पठन रणनीतियों का नियमित रूप से उपयोग करेंगे।
- विद्यालयों में कक्षा पुस्तकालयों, QR कोड आधारित डिजिटल कहानियों तथा स्थानीय बाल साहित्य के उपयोग को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

- अभियान के दौरान विकसित हुई नवाचारी पहलों एवं सकारात्मक अनुभवों का दस्तावेजीकरण किया जाएगा, ताकि भविष्य में उनका प्रभावी उपयोग एवं विस्तार किया जा सके।

7. गतिविधियों के संचालन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश

पठन अभियान 2026 के अंतर्गत बच्चों में पढ़ने की रुचि विकसित करने, उनकी कल्पनाशक्ति को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें अपनी बात आत्मविश्वास से व्यक्त करने के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों को इस प्रकार क्रमबद्ध किया गया है कि अभियान के दौरान बच्चों में पठन की आदत धीरे-धीरे विकसित हो और वे पढ़ने के साथ-साथ सुनने, सोचने, चर्चा करने, लिखने और अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए भी प्रेरित हों।

सभी विद्यालय यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक गतिविधि आनंददायक, समावेशी एवं बाल-केंद्रित वातावरण में आयोजित हो, ताकि प्रत्येक बच्चा अपनी क्षमता के अनुसार सक्रिय रूप से भाग ले सके। शिक्षक स्थानीय आवश्यकताओं एवं उपलब्ध संसाधनों के अनुसार गतिविधियों में आवश्यकतानुसार लचीलापन अपना सकते हैं, किंतु अभियान के मूल उद्देश्य एवं भावना को यथावत बनाए रखें।

7.1 अभियान का शुभारंभ- दिनांक : 15 अगस्त 2026

उद्देश्य

पठन अभियान का शुभारंभ पूरे राज्य में अभियान की औपचारिक शुरुआत के साथ-साथ बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं समुदाय में पठन के प्रति उत्साह और जागरूकता बढ़ाने का अवसर है। इसका उद्देश्य सभी हितधारकों को अभियान के उद्देश्यों से परिचित कराना तथा अभियान की अवधि के दौरान उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना है।

गतिविधि का विवरण

पठन अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ **स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड** द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर **राँची से मोबाइल पुस्तकालय वैन (Mobile Library Van)** को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। यह वाहन चयनित जिलों में विद्यालयों तक गुणवत्तापूर्ण बाल साहित्य पहुँचाने में मदद करेगा

अभियान की व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं शिक्षा क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों के प्रेरक संदेश व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (पूर्व नाम ट्विटर) तथा अन्य आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यमों से साझा किए जाएँगे। इन संदेशों के माध्यम से विद्यालयों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं समुदाय से अभियान में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया जाएगा।

7.2 पठन संकल्प- दिनांक : 17 अगस्त 2026

उद्देश्य

पढ़ने की आदत एक दिन में नहीं बनती, बल्कि नियमित अभ्यास से विकसित होती है। **पठन संकल्प** गतिविधि का उद्देश्य बच्चों, शिक्षकों तथा विद्यालय समुदाय को प्रतिदिन पढ़ने के लिए प्रेरित करना तथा पठन को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए संकल्पबद्ध करना है।

गतिविधि का विवरण

विद्यालय में एक **पठन संकल्प समारोह** (Reading Pledge Ceremony) आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी सामूहिक रूप से प्रतिदिन कम-से-कम **20 मिनट पढ़ने** का संकल्प लेंगे। यह संकल्प केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बच्चों को अपने परिवार के सदस्यों एवं मित्रों को भी नियमित पठन के लिए प्रेरित करने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

इस अवसर पर नीचे **बॉक्स** में दिए गए *पठन संकल्प* का सामूहिक वाचन किया जाएगा।

"हम मानते हैं कि किताबें एक जादुई दुनिया का दरवाज़ा हैं।

हर किताब हमें कुछ नया सिखाती है।

नई दुनिया, नए लोगों और नए विचारों से मिलवाती है।

बड़े सपने देखने की प्रेरणा देती है।

हर पन्ने के साथ हम कुछ नया सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं।

आज हम सब मिलकर संकल्प लेते हैं कि हम हर दिन कम से कम 20 मिनट किताब पढ़ेंगे।

हम पढ़ने का आनंद लेंगे।

हम अपने परिवार, दोस्तों और आसपास के लोगों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

***जय हिंद! जय झारखण्ड!**"*

विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन

- प्रार्थना सभा अथवा विद्यालय की सुविधा के अनुसार उपयुक्त समय पर पठन संकल्प का आयोजन करें।
- सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित करें।
- पठन संकल्प को कक्षा एवं पुस्तकालय में प्रदर्शित करें।
- जहाँ संभव हो, प्रतिदिन **20 मिनट का पठन समय** निर्धारित करें।
- बच्चों को विद्यालय के साथ-साथ घर पर भी नियमित रूप से पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

7.3 रीडिंग बडी- अवधि : 17 अगस्त – 7 सितम्बर 2026

उद्देश्य

बच्चे एक-दूसरे के साथ सीखते हैं तो उनका सीखना अधिक प्रभावी और आनंददायक बन जाता है। **रीडिंग बडी** (Reading Buddy) गतिविधि का उद्देश्य बड़े और छोटे बच्चों को साथ जोड़कर सहयोगात्मक अधिगम को बढ़ावा देना है, ताकि वे मिलकर पढ़ें, एक-दूसरे से सीखें और पढ़ने के प्रति आत्मविश्वास विकसित करें।

गतिविधि का विवरण

उच्च कक्षाओं के विद्यार्थियों को छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों के साथ **रीडिंग बडी** के रूप में जोड़ा जाएगा। अभियान की पूरी अवधि के दौरान एक ही जोड़ी बनाए रखी जाएगी, ताकि दोनों बच्चों के बीच आत्मीयता और सहयोग का संबंध विकसित हो सके।

रीडिंग बडी एक साथ पुस्तकें पढ़ेंगे, एक-दूसरे को सुनेंगे, कहानी पर चर्चा करेंगे, नए शब्दों का अर्थ समझेंगे तथा नियमित रूप से पढ़ने के लिए एक-दूसरे को प्रेरित करेंगे।

शिक्षक इन गतिविधियों का मार्गदर्शन करेंगे और समय-समय पर बच्चों की सहभागिता का अवलोकन करते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन

- कक्षाओं के अनुसार उपयुक्त रीडिंग बडी जोड़ी बनाएँ।
- प्रत्येक सप्ताह रीडिंग बडी गतिविधि के लिए निश्चित समय निर्धारित करें।
- केवल पढ़ने तक सीमित न रहें; बच्चों को कहानी पर बातचीत करने और अपने विचार साझा करने के लिए भी प्रेरित करें।
- शिक्षक समय-समय पर गतिविधि का अवलोकन करें तथा आवश्यकतानुसार बच्चों का मार्गदर्शन करें।

- गतिविधि के दौरान कक्षा पुस्तकालय एवं पठन कोनों का अधिकतम उपयोग करें।

7.4 जिला स्तरीय शुभारंभ- अवधि : 18–20 अगस्त 2026

उद्देश्य

राज्य स्तरीय शुभारंभ के बाद अभियान को प्रत्येक जिले तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना तथा स्थानीय स्तर पर इसके प्रति उत्साह और स्वामित्व की भावना विकसित करना इस गतिविधि का प्रमुख उद्देश्य है। जिला स्तरीय शुभारंभ के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अभियान केवल एक कार्यक्रम न रहकर जिले के प्रत्येक विद्यालय तक पहुँचे और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित हो।

गतिविधि का विवरण

चयनित जिलों में जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। जहाँ आवश्यक होगा, वहाँ **मोबाइल पुस्तकालय वैन** का शुभारंभ भी किया जाएगा। यह वाहन विद्यालयों तक गुणवत्तापूर्ण बाल साहित्य पहुँचाकर बच्चों को विद्यालय पुस्तकालय के अतिरिक्त भी विविध पुस्तकों से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा।

इन कार्यक्रमों में **जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO), जिला शिक्षा अधीक्षक (DSE), जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (DPO), DIET के प्रतिनिधि, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, प्रधानाध्यापक, शिक्षक, विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) के सदस्य तथा समुदाय के प्रतिनिधियों** को आमंत्रित किया जाएगा। उनकी सहभागिता से अभियान को स्थानीय स्तर पर और अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा।

7.5 मुखर वाचन- दिनांक : 19 अगस्त 2026

उद्देश्य

मुखर वाचन (Read Aloud) बच्चों में सुनने की क्षमता, पठन-समझ, शब्दावली तथा भाषा के प्रति रुचि विकसित करने की एक प्रभावी गतिविधि है। जब शिक्षक भावपूर्ण ढंग से कहानी पढ़ते हैं, तो बच्चे केवल कहानी नहीं सुनते, बल्कि उसके पात्रों, घटनाओं और भावनाओं से भी जुड़ते हैं। इससे उनमें पढ़ने के प्रति रुचि बढ़ती है और वे कहानी पर अपने विचार साझा करने के लिए प्रेरित होते हैं।

गतिविधि का विवरण

शिक्षक पुस्तकालय एवं पठन कोना, विद्यालय पुस्तकालय अथवा उपलब्ध अन्य पठन सामग्री में से बच्चों की आयु एवं कक्षा के अनुरूप किसी उपयुक्त कहानी का चयन करेंगे। कहानी पढ़ते समय शिक्षक स्पष्ट उच्चारण, उचित गति, हाव-भाव तथा आवाज़ के उतार-चढ़ाव का उपयोग करें, ताकि बच्चे कहानी से सहज रूप से जुड़ सकें।

कहानी के दौरान उपयुक्त स्थानों पर रुककर बच्चों से अनुमान लगाने, चित्रों का अवलोकन करने, पात्रों के बारे में सोचने तथा अपने विचार साझा करने के लिए प्रेरित करें। यह गतिविधि केवल कहानी पढ़ने तक सीमित न रहे, बल्कि बच्चों और शिक्षक के बीच एक सार्थक संवाद का अवसर बने।

इस गतिविधि के लिए विद्यालय में उपलब्ध पुस्तकों का उपयोग किया जा सकता है। झारखंड सरकार द्वारा विद्यालयों को पुस्तकालय हेतु उपलब्ध कराई गई लगभग **120 पुस्तकें** (जैसे – रुगड़ा, फेरीवाला, अवी और चींटियाँ, इफ्फत की साइकिल आदि), पाठ्यपुस्तकों में दी गई आयु-उपयुक्त कहानियाँ, **FLN किट** के अंतर्गत उपलब्ध पठन कार्ड, प्रचलित **लोक कथाएँ** तथा अन्य पठन सामग्री का भी उपयोग किया जा सकता है। शिक्षक अपनी रुचि एवं स्थानीय संदर्भ

के अनुसार हस्तनिर्मित कहानी-पुस्तिकाओं का उपयोग कर बच्चों को आनंददायक वाचन अनुभव प्रदान कर सकते हैं।

अभियान के दौरान विद्यालय अपनी आवश्यकता के अनुसार **प्रधानाध्यापक, BRP, CRP, अभिभावकों अथवा समुदाय के अन्य सदस्यों** को भी मुखर वाचन के लिए आमंत्रित कर सकते हैं, ताकि बच्चों को विभिन्न शैली में कहानी सुनने का अनुभव प्राप्त हो।

विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन

- कक्षा के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन करें।
- बैठने की ऐसी व्यवस्था करें कि सभी बच्चे पुस्तक और उसके चित्र स्पष्ट रूप से देख सकें।
- कहानी को भावपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण ढंग से पढ़ें।
- बीच-बीच में बच्चों से प्रश्न पूछें, अनुमान लगाने के लिए प्रेरित करें तथा उनके विचार सुनें।
- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों के साथ संक्षिप्त चर्चा करें।
- बच्चों को पुस्तक घर ले जाकर या पुस्तकालय से लेकर स्वयं पढ़ने के लिए भी प्रेरित करें।

7.6 सहपठन- दिनांक : 21 अगस्त 2026

उद्देश्य

सहपठन (Shared Reading) बच्चों और शिक्षक को एक साथ पढ़ने का अवसर प्रदान करता है। यह गतिविधि बच्चों में पठन प्रवाह, पठन-समझ और आत्मविश्वास विकसित करने के साथ-साथ उन्हें पढ़ने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करती है।

गतिविधि का विवरण

इस गतिविधि में शिक्षक और बच्चे एक ही पुस्तक, कहानी या पाठ को साथ मिलकर पढ़ते हैं। कहानी पढ़ने के साथ-साथ बच्चों को नए शब्दों के अर्थ समझने, चित्रों को ध्यान से देखने, कहानी के बारे में चर्चा करने तथा उसे अपने अनुभवों से जोड़ने के अवसर दिए जाएँ। इस गतिविधि का उद्देश्य केवल शब्दों का सही उच्चारण करना नहीं, बल्कि कहानी को समझना और उसका आनंद लेना है।

इसके लिए झारखण्ड सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए बाल साहित्य, पुस्तकालय में उपलब्ध अन्य कहानी की पुस्तकों, पाठ्यपुस्तकों में दी गई आयु-उपयुक्त कहानियों एवं पाठों, **FLN किट** में दिए गए पठन कार्ड तथा अन्य पठन सामग्री का उपयोग किया जा सकता है। सहपठन के दौरान उन्हीं किताबों या कहानियों का उपयोग करें जिनकी कई प्रतियाँ उपलब्ध हों या बिग बुक का उपयोग किया जाए, ताकि सभी बच्चों को प्रभावी रूप से शामिल किया जा सके।

विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन

- कक्षा के स्तर के अनुरूप एक समान पठन सामग्री का चयन करें।
- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे पाठ को स्पष्ट रूप से देख और पढ़ सकें।
- बच्चों के साथ मिलकर पढ़ें तथा उन्हें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करें।
- समय-समय पर रुककर नए शब्दों, घटनाओं और विचारों पर चर्चा करें।
- बच्चों को अपनी पसंद के अंश को दोबारा स्वयं या अपने साथियों के साथ पढ़ने का अवसर दें।

7.7 100 शब्दों की कहानी रचना – दिनांक : 24 अगस्त 2026

उद्देश्य

यह गतिविधि बच्चों को कम शब्दों में प्रभावी ढंग से अपनी बात कहने की कला विकसित करने का अवसर प्रदान करती है। इसका उद्देश्य बच्चों की कल्पनाशक्ति, रचनात्मक सोच और लेखन कौशल को प्रोत्साहित करना है, ताकि वे अपने विचारों को सरल, स्पष्ट और रोचक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

गतिविधि का विवरण

इस गतिविधि के अंतर्गत बच्चे अधिकतम **100 शब्दों** में अपनी संक्षिप्त कहानी लिखेंगे। कहानी का विषय शिक्षक द्वारा सुझाया जा सकता है, जैसे—**"मेरी पसंदीदा पुस्तक"**, **"अगर पेड़ बोल सकते..."**, **"मेरी कल्पना की दुनिया"** अथवा स्थानीय संदर्भ से जुड़ा कोई अन्य विषय।

शिक्षक बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने और अपनी कल्पना के आधार पर कहानी लिखने के लिए प्रोत्साहित करें। इस गतिविधि का उद्देश्य भाषा की पूर्ण शुद्धता से अधिक बच्चों की कल्पनात्मक व रचनात्मक सोच और अभिव्यक्ति को महत्व देना है। छोटी कक्षाओं के बच्चों के लिए आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक उनकी बात सुनकर कहानी लिखने में सहयोग कर सकते हैं या बच्चे अपनी कहानी को चित्रों के माध्यम से भी प्रस्तुत कर सकते हैं।

विद्यालय बच्चों की चयनित कहानियों को कक्षा, पुस्तकालय अथवा सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित कर उनके प्रयासों को प्रोत्साहित करें।

विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन

- गतिविधि प्रारम्भ करने से पहले बच्चों को छोटी कहानियों के कुछ उदाहरण सुनाएँ या पढ़कर सुनाएँ।
- समझाएँ कि कम शब्दों में भी एक प्रभावशाली कहानी लिखी जा सकती है।

- बच्चों को सोचने और लिखने के लिए पर्याप्त समय दें।
- इच्छुक बच्चों को अपनी कहानी के साथ चित्र बनाने के लिए भी प्रोत्साहित करें।
- चयनित कहानियों को विद्यालय में प्रदर्शित कर अन्य बच्चों के साथ साझा करें तथा इच्छुक बच्चों को अपनी कहानियाँ अपने साथियों के समक्ष प्रस्तुत करने या सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

7.8 हमारी कहानी, हमारे शब्दों में- दिनांक : 27 अगस्त 2026

उद्देश्य

यह गतिविधि प्रत्येक बच्चे को अपनी कहानी लिखने और साझा करने का अवसर प्रदान करती है। इसका उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास तथा स्वयं को अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास करना है, ताकि वे स्वयं को एक लेखक और सृजनकर्ता के रूप में पहचान सकें।

गतिविधि का विवरण

प्रत्येक बच्चा अपने अनुभवों, कल्पनाओं, स्थानीय परिवेश, संस्कृति अथवा समुदाय से प्रेरित होकर अपनी मूल कहानी लिखेगा। शिक्षक बच्चों को विचार विकसित करने, चर्चा करने और कहानी की रूपरेखा बनाने में सहयोग करेंगे, लेकिन कहानी की मौलिकता और बच्चों की अपनी भाषा को यथासंभव बनाए रखेंगे।

विद्यालय सभी बच्चों की कहानियों को संकलित कर **"हमारी कहानी, हमारे शब्दों में"** शीर्षक से कक्षा अथवा विद्यालय की एक कहानी-पुस्तिका तैयार कर सकते हैं। इस पुस्तिका को पुस्तकालय या पठन कोने में रखा जा सकता है, ताकि वर्षभर बच्चे एक-दूसरे की कहानियाँ पढ़ सकें।

विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन

- कहानी लेखन से पहले बच्चों के साथ चर्चा करें और उन्हें विभिन्न विषयों पर सोचने के लिए प्रेरित करें।
- बच्चों को अपनी भाषा और शैली में स्वतंत्र रूप से लिखने का अवसर दें।
- जहाँ संभव हो, कहानी के साथ चित्र बनाने के लिए भी प्रेरित करें।
- सभी कहानियों को संकलित कर कक्षा या विद्यालय की सामूहिक कहानी-पुस्तिका तैयार करें।
- विद्यालय सभा, प्रदर्शनी या अन्य उपयुक्त अवसरों पर बच्चों की कहानियों को साझा करें।

7.9 कहानी की दुनिया- दिनांक : 31 अगस्त 2026

उद्देश्य

यह गतिविधि बच्चों को स्थानीय संस्कृति, लोक कथाओं और मौखिक कहानी कहने की समृद्ध परंपरा से जोड़ने का अवसर प्रदान करती है। साथ ही, यह विद्यालय और समुदाय के बीच संवाद एवं सहभागिता को भी सशक्त बनाती है।

गतिविधि का विवरण

विद्यालय में अभिभावकों, दादा-दादी, नाना-नानी, समुदाय के वरिष्ठ सदस्यों अथवा स्थानीय कहानीकारों को आमंत्रित कर लोककथाएँ, पारंपरिक कहानियाँ एवं जीवन के प्रेरक अनुभव बच्चों के साथ साझा किए जाएँ। कहानी सुनने के बाद बच्चों के साथ उस पर चर्चा की जाए। उन्हें कहानी का संदेश समझने, प्रश्न पूछने तथा अपने परिवार या समुदाय में प्रचलित ऐसी ही अन्य कहानियाँ साझा करने के लिए प्रेरित किया जाए।

शिक्षक बच्चों को इन कहानियों को लिखने, चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करने अथवा ऑडियो रिकॉर्डिंग के रूप में संकलित करने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकते हैं, ताकि भविष्य में विद्यालय इन्हें पठन सामग्री के रूप में उपयोग कर सके।

विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन

- समुदाय के सदस्यों को पूर्व सूचना देकर आमंत्रित करें।
- कहानी सत्र को संवादात्मक एवं सहभागितापूर्ण बनाएँ।
- बच्चों को प्रश्न पूछने और अपने विचार साझा करने के लिए प्रेरित करें।
- प्रत्येक कहानी साझा करने के बाद संक्षिप्त चर्चा अवश्य करें।
- स्थानीय कहानियों का संकलन कर विद्यालय में सुरक्षित रखें।

अपेक्षित परिणाम

- बच्चों में स्थानीय संस्कृति एवं लोक परंपराओं के प्रति सम्मान और जुड़ाव बढ़ेगा।
- विद्यालय एवं समुदाय के बीच सहभागिता सुदृढ़ होगी।
- बच्चों के सुनने, समझने एवं बोलने के कौशल का विकास होगा।
- स्थानीय लोककथाओं एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

7.10 QR कोड आधारित स्टोरी वॉल- दिनांक : 2 सितम्बर 2026

उद्देश्य

डिजिटल संसाधनों के माध्यम से बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण कहानियों की पहुँच बढ़ाना तथा तकनीक-सहायित पठन को प्रोत्साहित करना इस गतिविधि का प्रमुख उद्देश्य है।

गतिविधि का विवरण

विद्यालय में ऐसी स्टोरी वॉल तैयार की जाएगी, जहाँ राज्य द्वारा साझा किए गए विभिन्न डिजिटल कहानियों, ऑडियो पुस्तकों तथा *Literacy Cloud* जैसे पठन संसाधनों से जुड़े QR कोड प्रदर्शित किए जाएँगे। बच्चे उपलब्ध डिजिटल उपकरणों की सहायता से इन QR कोड को स्कैन कर कहानियाँ पढ़ेंगे या सुनेंगे। इसके बाद शिक्षक बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा करेंगे, ताकि वे कहानी को बेहतर ढंग से समझ सकें और अपने विचार साझा कर सकें।

विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन

- QR कोड ऐसे स्थान पर प्रदर्शित करें, जहाँ सभी बच्चे आसानी से पहुँच सकें।
- बच्चों को QR कोड स्कैन करने की प्रक्रिया समझाएँ।
- यह सुनिश्चित करें कि उपलब्ध कहानियाँ बच्चों की आयु एवं कक्षा के अनुरूप हों।
- कहानी पढ़ने या सुनने के बाद चर्चा एवं चिंतन गतिविधि अवश्य कराएँ।

7.11 विद्यार्थी पॉडकास्ट – "मेरे शब्द, मेरी कहानी"- दिनांक : 5 सितम्बर 2026

उद्देश्य

यह गतिविधि बच्चों को अपनी बात आत्मविश्वास के साथ व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती है। इसके माध्यम से बच्चों के मौखिक अभिव्यक्ति कौशल, संवाद क्षमता तथा डिजिटल माध्यमों के प्रति समझ को विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही, बच्चों की आवाज़ और उनके अनुभवों को व्यापक स्तर पर साझा करने का अवसर भी मिलेगा।

गतिविधि का विवरण

इस गतिविधि के अंतर्गत शिक्षक इच्छुक विद्यार्थियों के साथ छोटे-छोटे ऑडियो संवाद रिकॉर्ड करेंगे। इन संवादों में बच्चे अपनी पसंदीदा पुस्तक, पढ़ने के अनुभव, स्वयं लिखी गई कहानी अथवा पठन अभियान से मिली सीख के बारे में अपनी बात साझा करेंगे।

बच्चों को अपनी बात सहज एवं स्वाभाविक रूप से रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। चयनित ऑडियो रिकॉर्डिंग विद्यालय अथवा विभाग के निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं आवश्यक अनुमतियों के अनुसार आधिकारिक सोशल मीडिया मंचों पर साझा की जा सकती हैं। इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों की अभिव्यक्ति का सम्मान करना तथा अन्य बच्चों को भी पढ़ने और अपनी कहानियाँ साझा करने के लिए प्रेरित करना है।

विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन

- ऐसे विद्यार्थियों का चयन करें जो स्वेच्छा से भाग लेना चाहते हों।
- शांत वातावरण में संक्षिप्त एवं स्पष्ट ऑडियो रिकॉर्ड करें।
- बच्चों को बिना झिझक अपनी भाषा और शैली में बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।
- राज्य द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार चयनित रिकॉर्डिंग साझा करें।
- सभी आवश्यक अनुमति एवं बाल सुरक्षा (Child Safeguarding) से संबंधित प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करें।

7.12 रीड-ए-थॉन

दिनांक : 8 सितम्बर 2026

समय : प्रातः 11:00 बजे से 11:30 बजे तक

उद्देश्य

रीड-ए-थॉन (Read-a-thon) पठन अभियान की प्रमुख गतिविधि है, जिसका उद्देश्य पूरे राज्य में एक ही समय पर सामूहिक पठन के माध्यम से पढ़ने का उत्सव मनाना तथा बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों और समुदाय को पठन से जोड़ना है। यह गतिविधि **'Drop Everything and Read'** की भावना पर आधारित है, जो सभी प्रतिभागियों को कुछ समय के लिए अन्य सभी कार्यों से विराम लेकर केवल पढ़ने पर केंद्रित होने के लिए प्रेरित करती है। बड़े स्तर पर सामूहिक सहभागिता के माध्यम से यह गतिविधि पठन को एक साझा अनुभव बनाते हुए विद्यालयों एवं समुदायों में पठन संस्कृति को सुदृढ़ करने का प्रयास करती है।

गतिविधि का विवरण

निर्धारित समय पर सभी सहभागी विद्यालयों में **30 मिनट का अविराम पठन सत्र** आयोजित किया जाएगा। इस दौरान बच्चे, शिक्षक, अभिभावक, समुदाय के सदस्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी अपनी पसंद की पुस्तक पढ़ेंगे। यह गतिविधि **"Drop Everything and Read"** की भावना पर आधारित है, जिसमें कुछ समय के लिए अन्य सभी कार्यों को विराम देकर केवल पढ़ने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

विद्यालय ऐसा वातावरण तैयार करें, जहाँ सभी प्रतिभागी आनंदपूर्वक एवं बिना किसी व्यवधान के पढ़ सकें। गतिविधि के उपरांत विद्यालय निर्धारित प्रारूप के अनुसार सहभागिता का विवरण एवं आवश्यक फोटोग्राफ साझा करेंगे। *रीड-ए-थॉन के दौरान गतिविधि की फोटो टाइम-स्टैम्प (दिनांक एवं समय) सहित ली जाए। केवल टाइम-स्टैम्प युक्त फोटो ही मान्य होगी, क्योंकि वही यह प्रमाणित करती है कि गतिविधि निर्धारित तिथि एवं निर्धारित समय पर आयोजित की गई है।*

विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन

- गतिविधि प्रारम्भ होने से पहले पठन के लिए उपयुक्त स्थान एवं आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करें।
- सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित करें।
- जहाँ संभव हो, अभिभावकों एवं समुदाय के सदस्यों को भी आमंत्रित करें।
- गतिविधि के दौरान आवश्यक फोटोग्राफ एवं सहभागिता विवरण संकलित करें।
- निर्धारित समय पर रिपोर्ट एवं अन्य आवश्यक जानकारी साझा करें।

7.13 राज्य स्तरीय समापन समारोह- दिनांक : 18 सितम्बर 2026

उद्देश्य

यह कार्यक्रम पठन अभियान की सफल पूर्णता का उत्सव मनाने, विभिन्न स्तरों पर किए गए प्रयासों को सम्मानित करने तथा अभियान के अनुभवों और सीखों को साझा करने का अवसर प्रदान करता है।

गतिविधि का विवरण

राज्य स्तरीय समापन समारोह में अभियान की प्रमुख उपलब्धियों, प्रेरक अनुभवों तथा विभिन्न जिलों में किए गए नवाचारी प्रयासों को साझा किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों की कहानियाँ, पॉडकास्ट, फोटोग्राफ, वीडियो तथा अभियान से जुड़े अन्य रचनात्मक कार्य प्रदर्शित किए जाएँगे। शिक्षक, विद्यार्थी, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं विकास सहयोगी संस्थाएँ अपने अनुभव साझा करेंगे तथा अभियान से मिली सीख पर चर्चा करेंगे।

अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विद्यालयों, शिक्षकों एवं जिलों को आवश्यकतानुसार सम्मानित भी किया जा सकता है। यह कार्यक्रम पूरे वर्ष विद्यालयों में पठन गतिविधियों को निरंतर जारी रखने के संकल्प को भी सुदृढ़ करेगा।

8. भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व

पठन अभियान के प्रभावी संचालन एवं सफल क्रियान्वयन के लिए विभिन्न स्तरों पर संबंधित हितधारकों की भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व निम्नानुसार होंगे—

हितधारक	**भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व**
शिक्षक	अभियान की गतिविधियों की योजना बनाना एवं उनका संचालन करना, पठन गतिविधियों का संचालन एवं मार्गदर्शन करना, बच्चों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना, कक्षा के पठन कोनों का प्रभावी उपयोग करना, गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करना तथा निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट साझा करना।
प्रधानाध्यापक	विद्यालय स्तर पर अभियान की कार्ययोजना तैयार करना, सभी गतिविधियों का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करना, अभियान की नियमित समीक्षा करना, विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) के साथ समन्वय स्थापित करना तथा समय पर प्रतिवेदन प्रेषित करना।
BRP एवं CRP	विद्यालयों को शैक्षणिक सहयोग प्रदान करना, अभियान की गतिविधियों का अनुश्रवण करना, शिक्षकों का मार्गदर्शन करना, नवाचारी प्रयासों का दस्तावेजीकरण करना तथा रिपोर्टिंग प्रक्रिया में सहयोग देना।
DIET संकाय	आवश्यक शैक्षणिक एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करना, अभियान की गतिविधियों में सहभागिता करना, अनुश्रवण में सहयोग देना तथा नवाचारी प्रयासों का संकलन करना।

जिला शिक्षा पदाधिकारी	जिले में अभियान का समन्वय एवं अनुश्रवण करना, प्रगति की नियमित समीक्षा करना, जिला स्तरीय गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित करना तथा जिला स्तर की रिपोर्ट राज्य को उपलब्ध कराना।
विकास सहयोगी संस्थाएँ	आवश्यक तकनीकी सहयोग प्रदान करना तथा संचार, दस्तावेजीकरण एवं अनुश्रवण में सहयोग करना।

9. प्रतिवेदन एवं अनुश्रवण

अभियान के प्रभावी संचालन एवं प्रगति की नियमित समीक्षा के लिए विभिन्न स्तरों पर निम्नलिखित व्यवस्था अपनाई जाएगी–

स्तर	प्रतिवेदन संबंधी उत्तरदायित्व	अनुश्रवण संबंधी उत्तरदायित्व
विद्यालय	निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार गतिविधियों की नियमित अद्यतन जानकारी, छायाचित्र एवं प्रमुख गतिविधियों का विवरण साझा करना।	प्रधानाध्यापक अभियान की सभी गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन का अनुश्रवण करेंगे तथा समयबद्ध प्रतिवेदन सुनिश्चित करेंगे।
प्रखंड	राज्य स्तरीय व्हाट्सएप समूह के माध्यम से नियमित अद्यतन जानकारी साझा करना तथा **3 सितम्बर 2026** को प्रतिभागियों की संख्या सहित ब्लॉक स्तरीय **रीड-ए-थॉन** प्रतिवेदन प्रपत्र भरना।	बीआरपी एवं सीआरपी विद्यालय भ्रमण के दौरान अभियान के क्रियान्वयन का अनुश्रवण करेंगे तथा आवश्यक शैक्षणिक सहयोग प्रदान करेंगे।
जिला	**3 सितम्बर 2026** को जिला स्तरीय **रीड-ए-थॉन** प्रतिवेदन प्रपत्र भरना। जिला अकादमिक फेलो गतिविधियों से संबंधित संक्षिप्त विवरण, उच्च गुणवत्ता वाले छायाचित्र एवं विद्यालयों की सफलता की कहानियाँ साझा करेंगे।	एडीपीओ, जिला अकादमिक फेलो एवं सीएसओ अभियान के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे, नियमित प्रतिवेदन को प्रोत्साहित करेंगे तथा उत्कृष्ट प्रयासों का प्रलेखन करेंगे।
राज्य	अभियान से प्राप्त अद्यतन जानकारी, सफलता की कहानियों, प्रमुख सीखों एवं चुनौतियों का संकलन कर अंतिम अभियान	जेईपीसी एवं सहयोगी संस्थाएँ अभियान की समग्र प्रगति का अनुश्रवण करेंगी तथा

	प्रतिवेदन तैयार करना। साथ ही राज्य स्तरीय व्हाट्सएप समूह के माध्यम से सोशल मीडिया सामग्री, वेबिनार लिंक, संसाधन एवं आगामी गतिविधियों से संबंधित जानकारी साझा करना।	आवश्यक तकनीकी एवं कार्यान्वयन सहयोग प्रदान करेंगी।

संचार मंच

राज्य स्तर पर एडीपीओ, बीआरपी, सीआरपी एवं सीएसओ के साथ एक व्हाट्सएप समूह का गठन किया जाएगा। इस समूह का उपयोग अभियान से संबंधित नियमित अद्यतन जानकारी, छायाचित्र, सोशल मीडिया सामग्री, वेबिनार लिंक, आवश्यक संसाधन तथा आगामी गतिविधियों से संबंधित दिशा-निर्देश साझा करने के लिए किया जाएगा।

10. दस्तावेजीकरण एवं संचार

अभियान के दौरान आयोजित गतिविधियों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाएगा, ताकि विभिन्न स्तरों पर हुए प्रयासों, नवाचारों एवं सीखों को साझा किया जा सके तथा भविष्य की योजनाओं के लिए उपयोगी संदर्भ उपलब्ध हो।

विद्यालय एवं जिला स्तर पर निम्नलिखित सामग्री का संकलन एवं साझा किया जा सकता है–

- गतिविधियों के फोटोग्राफ
- लघु वीडियो
- बच्चों की कहानियाँ एवं अन्य रचनात्मक लेखन
- विद्यार्थी पॉडकास्ट
- सफलता की प्रेरक कहानियाँ (Success Stories)
- समुदाय की सहभागिता से जुड़े उदाहरण
- समाचार-पत्रों में प्रकाशित समाचार
- नवाचारी पहल एवं अच्छी प्रक्रियाएँ

सभी दस्तावेज निर्धारित प्रतिवेदन प्रणाली एवं विभाग द्वारा निर्धारित आधिकारिक संचार माध्यमों के माध्यम से साझा किए जाएँ।

11. सोशल मीडिया रणनीति

अभियान की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को व्यापक स्तर पर साझा करने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया मंचों का उपयोग किया जाएगा।

सामग्री	विवरण
फोटोग्राफ	पठन गतिविधियाँ, रीडिंग बडी, मुखर वाचन, रीड-ए-थॉन एवं अन्य गतिविधियों की झलकियाँ।
वीडियो	कहानी सत्र, अभियान की गतिविधियाँ एवं बच्चों की सहभागिता से जुड़े लघु वीडियो।
विद्यार्थी पॉडकास्ट	बच्चों द्वारा साझा किए गए चयनित पठन अनुभव एवं कहानियाँ।
प्रेरक अनुभव	विद्यालयों एवं समुदाय की नवाचारी पहल तथा प्रेरणादायक कहानियाँ।

सुझाए गए हैशटैग

#MereShabdMeriKahani

#ReadingCampaign2026

#NIPUNJharkhand

जेईपीसी के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल को टैग करें।

संपादकीय सुझाव: हैशटैग अंग्रेज़ी में ही रखें। सोशल मीडिया पर इन्हें हिंदी में बदलने से अभियान की डिजिटल पहचान और खोज (searchability) प्रभावित हो सकती है।

12. अभियान के उपरांत की जाने वाली गतिविधियाँ

अभियान के समापन के बाद भी विद्यालयों एवं जिलों को निम्नलिखित प्रयास निरंतर जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है—

- नियमित रूप से **मुखर वाचन** एवं **सहपठन** गतिविधियों का आयोजन।
- **रीडिंग बडी** गतिविधि को निरंतर जारी रखना।
- कक्षा के पठन कोनों एवं पुस्तकालय का नियमित उपयोग सुनिश्चित करना।
- बच्चों की कहानियों एवं रचनात्मक कार्यों का प्रदर्शन जारी रखना।
- **QR कोड आधारित स्टोरी वॉल** का नियमित उपयोग करना।
- समय-समय पर समुदाय आधारित पठन गतिविधियों का आयोजन करना।
- नवाचारी प्रयासों एवं प्रेरक अनुभवों का दस्तावेजीकरण कर साझा करना।

14. अभियान की समीक्षा

अभियान की समाप्ति के उपरांत विभिन्न स्तरों पर इसकी समीक्षा की जाएगी, ताकि प्राप्त अनुभवों एवं सीखों के आधार पर भविष्य की पठन पहलों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

इसके अंतर्गत—

- सभी जिले अपना समेकित प्रतिवेदन JEPC को उपलब्ध कराएँगे।
- अभियान की उपलब्धियों, सहभागिता एवं नवाचारी प्रयासों की समीक्षा की जाएगी।
- प्रेरक अनुभवों एवं सफल पहलों का दस्तावेजीकरण किया जाएगा।
- प्राप्त सुझावों एवं सीखों को भविष्य की पठन पहलों एवं अभियानों की योजना में शामिल किया जाएगा।

पठन अभियान 2026: "मेरे शब्द, मेरी कहानी"

आयोजक

के सहयोग से

Room to Read
unicef for every child
LfW LeapForWord
Azim Premji Foundation
Change Ink
Piramal Foundation
ICRW
Vikramshila
Language and Learning Foundation
Pratigya
Pratham
Ei
CInI
Dream a Dream
Ugam
20 Years Learning Magic
SAMPARK A Foundation by Anupama & Vineet Nayar
Bharti Airtel Foundation

परिचय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) प्रारंभिक वर्षों में पढ़ने-लिखने के कौशल की मज़बूत नींव को बच्चों के समग्र विकास और भावी शिक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक मानती है। यह रोचक एवं रचनात्मक शिक्षण वातावरण के निर्माण पर बल देती है, जिससे बच्चों में पढ़ने की रुचि और क्षमता विकसित हो सकें।

इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए **15 अगस्त से 08 सितंबर** तक पूरे राज्य में **"मेरे शब्द, मेरी कहानी"** पठन अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में बाल साहित्य के प्रति रुचि और पढ़ने की आदत के विकास को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्य उद्देश्य

पढ़ने की रुचि का विकास

बच्चों में पढ़ने की रुचि एवं आदत विकसित करना।

अभिव्यक्ति के अवसर का निर्माण

बच्चों को अपनी भाषा में सोचने एवं अभिव्यक्त होने के अवसर प्रदान करना।

समझ एवं चिंतन से जुड़ाव

पढ़ने को समझ, चिंतन एवं अभिव्यक्ति से जोड़ना।

सांस्कृतिक पहचान को प्रोत्साहन

स्थानीय भाषा एवं सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देना।

समुदाय से जुड़ाव निर्माण

विद्यालय, परिवार एवं समुदाय को पढ़ने की संस्कृति से जोड़ना।

Campaign Launch - अभियान का उद्घाटन (15 अगस्त)

→ Pledge Reading Time - प्लेज रीडिंग टाइम (17 अगस्त)

→ District-Level Launch - जिला स्तरीय शुभारंभ (18 अगस्त - 20 अगस्त)

→ Read Aloud – मुखरवाचन (19 अगस्त)

→ Shared Reading – सहपठन (21 अगस्त)

→ 100-Word Story Creation - 100 शब्दों की कहानी रचना (24 अगस्त)

→ Our Story in Our Words - हमारी कहानी, हमारे शब्दों में (27 अगस्त)

→ World of Stories - कहानी की दुनिया (31 अगस्त)

→ QR Code Story Wall - QR कोड आधारित स्टोरी वॉल (02 सितम्बर)

→ Student Podcast – विद्यार्थी पॉडकास्ट (05 सितम्बर)

→ Read-a-Thon रीड-ए-थॉन (08 सितंबर)

→ Culmination Event - समापन समारोह (18 सितंबर)

रीडिंग कैंपेन योजना

Reading Buddy - रीडिंग बडी (17 अगस्त – 07 सितंबर)

अभियान का उद्घाटन (15 अगस्त)

राज्य स्तर पर मोबाइल लाइब्रेरी वैन को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ-

राज्य स्तर पर रांची में मोबाइल लाइब्रेरी वैन का शुभारंभ किया जाना है। इस अवसर पर वैन को हरी झंडी दिखाकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की जानी प्रस्तावित है। यह पहल विद्यार्थियों तक पुस्तकों के समृद्ध संग्रह की पहुँच सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

वीडियो बाइट-

राज्य स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अभियान से संबंधित वीडियो संदेश तैयार कर व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (X) सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से पूरे राज्य में साझा किया जाना प्रस्तावित है।

रीडिंग बडी
(17 अगस्त – 07 सितंबर)

- इस गतिविधि का संचालन **हजारीबाग जिले** में किया जाना प्रस्तावित है। इसके साथ ही, अन्य इच्छुक जिलों को भी इस गतिविधि के संचालन हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।
- इस गतिविधि के अंतर्गत बड़ी कक्षा के विद्यार्थियों को छोटी कक्षा के विद्यार्थियों के साथ **रीडिंग बडी** के रूप में जोड़ा गया है। इसके अंतर्गत अभियान के दौरान रीडिंग बडी का नियमित रूप से साथ मिलकर पुस्तकें पढ़ना, एक-दूसरे को पढ़कर सुनाना तथा कहानी पर चर्चा करना शामिल है।
- इसके साथ ही शिक्षक द्वारा इस गतिविधि का मार्गदर्शन किया जाना भी शामिल है, जिससे बच्चों में सहयोग की भावना, आत्मविश्वास तथा नियमित पठन की आदत को बढ़ावा मिले।
- अन्य जिले यदि इस गतिविधि को अपनाना चाहें, तो आवश्यक सहयोग के लिए **SPMU** टीम से संपर्क कर सकते हैं।

प्लेज रीडिंग टाइम (17 अगस्त)

पठन संकल्प (प्लेज रीडिंग टाइम): कैम्पेन के दौरान पढ़ने की प्रतिज्ञा लें। प्रतिज्ञा का विवरण नीचे दिया गया है।

हम मानते हैं कि किताबें एक जादुई दुनिया का दरवाज़ा हैं।
हर किताब हमें कुछ नया सिखाती है।
नई दुनिया, नए लोगों और नए विचारों से मिलवाती है।
बड़े सपने देखने की प्रेरणा देती है।
हर पन्ने के साथ हम कुछ नया सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं।
आज हम सब मिलकर संकल्प लेते हैं कि हम हर दिन कम से कम 20 मिनट किताब पढ़ेंगे।
हम पढ़ने का आनंद लेंगे।
और अपने परिवार, दोस्तों और आसपास के लोगों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।
जय हिंद! जय झारखण्ड!

जिला स्तरीय अभियान शुभारंभ (18 अगस्त – 20 अगस्त)

दुमका, सिमडेगा, रामगढ़ एवं हजारीबाग सहित चयनित जिलों में **मोबाइल लाइब्रेरी वैन** शुभारंभ की गतिविधि शामिल है। इसके अंतर्गत मोबाइल लाइब्रेरी वैन द्वारा विद्यालयों का भ्रमण किया जाता है, जिससे बच्चों तक विविध बाल साहित्य एवं पुस्तकों के समृद्ध संग्रह की पहुँच सुनिश्चित होती है तथा उनमें पढ़ने की रुचि को प्रोत्साहन मिलता है।

अन्य जिले या गैर सरकारी संस्थाएँ भी यदि मोबाइल लाइब्रेरी वैन का संचालन करना चाहें, तो आवश्यक सहयोग के लिए SPMU टीम उपलब्ध रहेगी।

मुखर वाचन (19 अगस्त)

इस गतिविधि में शिक्षक बच्चों को किसी पुस्तक, कहानी या पाठ को उचित गति, हाव-भाव एवं शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़कर सुनाते हैं। मुखर वाचन बच्चों में कहानी सुनने, पढ़ने की रुचि, भाषा की समझ, शब्दावली तथा धाराप्रवाह पठन के विकास में सहायक होता है।

इस गतिविधि के लिए विद्यालय में उपलब्ध पुस्तकों का उपयोग किया जा सकता है। झारखण्ड सरकार द्वारा विद्यालयों को पुस्तकालय हेतु उपलब्ध कराई गई लगभग **120 पुस्तकें**, पाठ्यपुस्तकों में दी गई आयु-उपयुक्त कहानियाँ, **FLN किट** के अंतर्गत उपलब्ध पठन कार्ड, प्रचलित **लोक कथाएँ** तथा अन्य पठन सामग्री का भी उपयोग किया जा सकता है। शिक्षक अपनी रुचि एवं स्थानीय संदर्भ के अनुसार हस्तनिर्मित कहानी-पुस्तिकाओं का उपयोग कर बच्चों को आनंददायक वाचन अनुभव प्रदान कर सकते हैं।

सहपठन (21 अगस्त)

इस गतिविधि में शिक्षक और बच्चे एक ही पुस्तक, कहानी या पाठ को साथ मिलकर पढ़ते हैं। शिक्षक पढ़ते समय बच्चों को शब्दों, वाक्यों एवं चित्रों पर ध्यान देने, साथ में पढ़ने तथा कहानी पर बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इससे बच्चों में पढ़ने का आत्मविश्वास, शब्दज्ञान, पठन कौशल, सोचने की क्षमता व समझ विकसित होती है।

सहपठन के लिए झारखण्ड सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए बाल साहित्य, पुस्तकालय में उपलब्ध अन्य कहानी की पुस्तकों, पाठ्यपुस्तकों में दी गई आयु-उपयुक्त कहानियों एवं पाठों, **FLN किट** में दिए गए पठन कार्ड तथा अन्य पठन सामग्री का उपयोग किया जा सकता है। सहपठन के दौरान उन्हीं किताबों या कहानियों का उपयोग करें जिनकी कई प्रतियाँ उपलब्ध हों या बिग बुक का उपयोग किया जाए, ताकि सभी बच्चों को प्रभावी रूप से शामिल किया जा सके।

100 शब्दों की कहानी रचना (24 अगस्त)

- बच्चों द्वारा "मेरी पसंदीदा पुस्तक" विषय पर अधिकतम 100 शब्दों की कहानी लिखी जाती है।
- इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की रचनात्मकता एवं अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन मिलता है।
- बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचकर अपने विचारों एवं कल्पना के आधार पर कहानी लिखने का अवसर मिलता है।
- आवश्यकता होने पर छोटी कक्षाओं के बच्चे चित्रों के माध्यम से भी अपनी कहानी प्रस्तुत कर सकते हैं।
- चयनित कहानियों को विद्यालय स्तर पर प्रदर्शित एवं साझा किया जा सकता है।

हमारी कहानी, हमारे शब्दों में (27 अगस्त)

- प्रत्येक बच्चा अपनी स्वयं की कहानी लिखता है।
- बच्चों को अपने अनुभवों, कल्पनाओं, स्थानीय परिवेश एवं संस्कृति से प्रेरित होकर कहानी लिखने का अवसर मिलता है।
- बच्चों को अपनी भाषा एवं शैली में स्वतंत्र रूप से स्वयं को अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- जहाँ संभव हो, कहानी के साथ चित्रों का भी समावेश किया जा सकता है।
- सभी कहानियों को कक्षा/विद्यालय स्तर पर संकलित कर पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे बच्चों को युवा लेखक के रूप में अपनी पहचान बनाने का अवसर मिल सके।

कहानी की दुनिया (31 अगस्त)

इस गतिविधि के अंतर्गत कहानी साझा की जाती है।

समुदाय के बुज़ुर्ग सदस्य बच्चों के साथ स्थानीय लोककथाएँ एवं पारंपरिक कहानियाँ साझा करते हैं।

बच्चे इन कहानियों को सुनते हैं तथा उनसे प्रेरित होकर अपनी कहानियाँ भी साझा करते हैं।

यह गतिविधि बच्चों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने के साथ-साथ उनके पठन, लेखन एवं अभिव्यक्ति कौशल को सशक्त बनाने में सहायक होती है।

क्यूआर कोड आधारित स्टोरी वॉल (02 सितम्बर)

QR कोड के माध्यम से बच्चों एवं शिक्षकों के लिए डिजिटल कहानियाँ उपलब्ध रहती हैं।

विद्यालय में चयनित QR कोड का उपयोग कर बच्चों को डिजिटल कहानी सुनाई जाती है।

विद्यार्थी पॉडकास्ट (05 सितम्बर)

- शिक्षकों द्वारा बच्चों के अनुभवों को पॉडकास्ट के रूप में रिकॉर्ड कर विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर साझा किया जा सकता है।
- यह गतिविधि बच्चों में आत्मविश्वास तथा मौखिक अभिव्यक्ति के विकास में सहायक होती है।

Read-a-Thon (रीड-ए-थॉन) (08 सितंबर)

08 सितंबर, प्रातः 11:00 बजे से 11:30 बजे तक

- रीड-ए-थॉन एक खुला पठन मंच है, जहाँ एक निर्धारित समय पर विभिन्न स्थानों पर एक साथ पठन किया जाता है।
- इस गतिविधि में विद्यालयों एवं समुदायों सहित विभिन्न स्थानों पर सभी प्रतिभागी 30 मिनट तक सामूहिक रूप से पठन करते हैं।
- यह गतिविधि बड़े स्तर पर लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए "Drop Everything And Read" की भावना को प्रोत्साहित करती है और पठन संस्कृति को बढ़ावा देती है।
- इसमें बच्चों, माता-पिता, समुदाय, सरकारी पदाधिकारियों, भागीदार संस्थाओं एवं अन्य हितधारकों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाता है।
- केवल टाइम-स्टैम्प युक्त (दिनांक एवं समय सहित) फोटो ही इस गतिविधि के प्रमाण के रूप में मान्य होगी।

समापन समारोह (18 सितम्बर)

उपलब्धियों की प्रस्तुति

पठन अभियान के दौरान आयोजित गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों एवं अनुभवों को साझा करना।

साझेदारों की सहभागिता

साझेदार संस्थाओं एवं सरकारी पदाधिकारियों की सक्रिय सहभागिता को प्रोत्साहित करना।

अनुभव साझा करने का मंच

शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं विद्यालयों के अनुभव साझा करना।

सफलता का उत्सव

अभियान के प्रभाव, उपलब्धियों एवं सामूहिक प्रयासों का उत्सव मनाना।

रिपोर्टिंग एवं अनुश्रवण

1
गतिविधि-वार रिपोर्टिंग Google Form के माध्यम से स्कूल-स्तर पर गतिविधियों की रिपोर्टिंग करना।

2
Read-a-Thon रिपोर्टिंग Google Form के माध्यम से Read-a-Thon सहभागिता की रिपोर्ट साझा करना।

धन्यवाद